जालंधर, वीरवार 30 मई 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH

+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार

नसीब के भरोसे बैठकर अपना जीवन दुखी मत करो।

@vandebharat24 | vandebharat24news | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

सट्टा बाजार ने खोल दिए पंजाब की 13 सीटों के पत्ते

जालंधर सीट पर इस पार्टी की होगी जीत, देखें पंजाब में किस पार्टी को मिलेगी कितनी सीटें

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : भारत के सबसे सटीक फलादी सट्टा बाजार ने पंजाब को लेकर अपने पत्ते खोल दिए हैं। सट्टा बाजार ने पंजाब की सभी 13 सीटों पर अपना फैसला सुना दिया है। सट्टा बाजार की मानें तो पंजाब की 13 सीटों में सबसे ज्यादा 4-5 सीटें कांग्रेस को मिलती दिखाई देगी।

दूसरे नंबर पर आम आदमी पार्टी को सट्टा बाजार तीन-चार सीटें दे रहा है। तीसरे नंबर पर सट्टा बाजार भाजपा को दो-तीन सीटें दे रहा है। इसके अलावा एक से दो सीटें आजाद उम्मीदवार को मिलने की संभावना है। सबसे हैरानी की बात है कि अकाली दल को सट्टा बाजार एक भी सीट नहीं दे रहा है। जालंधर सीट को लेकर भी सट्टा बाजार ने बड़ा चौंकाने वाला फैसला दिया है।

कुछ दिन पहले सट्टा बाजार कांग्रेस और भाजपा में जालंधर सीट पर कड़ी टक्कर दिखा रहा था।

मगर अब जालंधर की सीट भाजपा के खाते में जाती दिखाई दे रही है। इसके अलावा भाजपा होशियारपुर, लुधियाना पटियाला और फरीदकोट सीट पर भी कड़ी टक्कर दे रही है। आम आदमी पार्टी को जालंधर, अमृतसर, खंडूर साहिब, लुधियाना, श्री आनंदपुर साहिब, पटियाला सीट पर बड़ा नुकसान होता दिखाई दे रहा है।

स्विमिंग पूल में डूबने से हुई 13 साल के बच्चे की मौत, CCTV से हुआ खुलासा

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पंजाब के जालंधर में एक दर्दनाक घटना हुई, जहां रॉयल स्विमिंग पूल में नहाने गए 13 वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत हो गई. मृतक की पहचान बस्ती दानिश मंदा के रहने वाले माधव के रूप में हुई है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. पुलिस ने स्विमिंग पूल को सील कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

यह घटना थाना लांबड़ा के अंतर्गत आते गांव नाहलं में हुई. यहां रहने वाला 13 साल का मासूम गर्मी से राहत पाने के लिए स्विमिंग पूल में नहाने गया था. बताया जा रहा है कि बच्चा जब काफी देर तक घर नहीं आया तो परिजन उसे ढूंढते हुए स्विमिंग पूल में पहुंचे. वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई तो बच्चे के डूबने का खुलासा हुआ.

मृतक माधव के पिता भीम बहादुर ने बताया कि उनका बेटा अपने दोस्त गणेश के साथ शाम पांच बजे के करीब स्विमिंग पूल पर नहाने गया था और रात को घर नहीं लौटा तो वो गणेश के घर पहुंचे. उसने बताया कि वह चार दोस्तों के साथ स्विमिंग पूल में नहाने गया था जल्दी आ गया था. लेकिन माधव उसके साथ नहीं आया, तो उसके पिता भीम बहादुर स्विमिंग पूल पहुंचे तो वहां उसका शव पानी में तैरता मिला. तुरंत ही उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी.

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

इस मामले पर ASI निरंजन सिंह ने बताया कि जब स्विमिंग पूल में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए तो पता चला कि माधव पानी से बाहर आकर बैठ गया था. कुछ समय के बाद उसने नाचते हुए पानी में छलांग लगाई. इसके बाद वो पानी के ऊपर नहीं आया. उसके साथ नहा रहे दोस्तों को कुछ पता नहीं चल पाया और वो नहाने के बाद कपड़े उठाकर घर चले गए. पीड़ित परिवार के बयानों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी.

1 जून को पंजाब के पोलिंग बूथों पर किसी ने खाई ये 3 चीजें तो खैर नहीं...

जालंधर(हिमांशु) : पंजाब में सभी लोकसभा सीटों पर आखिरी चरण में मतदान होना है. 1 जून को होने जा रहे मतदान को लेकर पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने 3 चीजों पर पाबंदी लगा दी है.लोकसभा चुनाव मतदान 2024 के मद्देनजर राज्य के सभी पोलिंग बूथों को तम्बाकू-रहित घोषित किया गया है.

उन्होंने कहा कि सभी पोलिंग बूथों पर सिगरेट, बीड़ी और अन्य तम्बाकू उत्पादों के सेवन पर सख्त पाबंदी होगी.

सिबिन सी ने कहा कि पोलिंग बूथों पर तम्बाकू के सेवन पर लगाई गई इस पाबंदी का मजबूती से पालन कराने के लिए हर पोलिंग बूथ के प्रिजाइडिंग अफसर को नोडल अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया गया है. मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि यह महत्वपूर्ण कदम सेहतमंद जीवनशैली को उत्साहित करने के साथ-साथ वोटरों के लिए सुरक्षित और रचनात्मक माहौल पैदा करने के उद्धेश्य से किया गया है. उन्होंने बताया कि पोलिंग बूथों को तम्बाकू-रहित क्षेत्र घोषित करने का मंतव्य तम्बाकू का सेवन न करने वालों को इसके धुओं के संपर्क से बचाना है और लोगों को तंदरुस्त सेहत के प्रति उत्साहित करना है. उन्होंने कहा कि यह पहलकदमी तम्बाकू के प्रयोग को घटाने और इसके सेवन से होने वाली बीमारियों जैसे कैंसर, दिल की बीमारियां, फेफड़ों के गंभीर रोग और अंधेपन आदि पर काबू पाने के लिए चलाई जा रही व्यापक जन स्वास्थ्य मुहिमों को और आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है.

चाईबासा में महिला इंजीनियर से गैंगरेप के पांच आरोपियों को उम्रकैद

जालंधर (नितिका) : झारखंड के चाईबासा की जिला अदालत ने एक महिला इंजीनियर से गैंगरेप के केस में बुधवार को पांच आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इनमें सुरेन देवगम (20), शिवशंकर करजी उर्फ बाज (22), पुरमी देवगम उर्फ सेटी (19), प्रकाश देवगम उर्फ डेंबो (21) और सोमा सिंकू उर्फ पेट्रा (19) शामिल हैं।

ये सभी चाईबासा जिले के मुफ्फसिल थाना अंतर्गत सालीहातु गांव के रहने वाले हैं। इस केस के पांच अन्य आरोपी वारदात के वक्त नाबालिग थे, इसलिए उनके मामले की सुनवाई जुवेनाइल कोर्ट में चल रही है। वारदात अक्टूबर, 2022 की है। एक प्रतिष्ठित कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम करने वाली युवती अपने एक पुरुष दोस्त के साथ स्कूटी पर चाईबासा के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत टेकराहातू स्थित एयरोड्रम इलाके में घूमने गई थी। इसी दौरान दस युवकों ने दोनों को घेर लिया।

युवकों ने युवती के दोस्त को मारपीट कर वहां से भगा दिया और उसे वहां से दूर झाड़ियों की तरफ ले जाकर गैंगरेप किया। विरोध करने पर उन्होंने युवती के साथ मारपीट कर उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया। उन्होंने युवती का पर्स और मोबाइल भी छीन लिया। पीड़िता झींकपानी थाना के एक गांव की रहने वाली है और वह वर्क फ्रॉम होम पर थी। वारदात के बाद वह किसी तरह बदहवासी के हाल में घर लौटी तो इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। युवती को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले के सभी दस आरोपियों को दो दिनों के अंदर गिरफ्तार कर लिया था।

इस मामले में फॉरेंसिक जांच, मोबाइल लोकेशन और कई टेक्नीकल साक्ष्यों के आधार पर चार्जशीट फाइल की गई। अदालत में सुनवाई के दौरान कई गवाह भी पेश किए गए। सभी पक्षों की सुनवाई के बाद अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया।

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525
आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

गुरमीत राम रहीम नाम के 'जिन्न' से पंजाब में किसको लगी मिर्ची... 1 मई को कौन खिलाएगा गुल?

जालंधर (नितिका) : लोकसभा चुनाव 2024 के आखिरी चरण में पंजाब की राजनीतिक तापमान में तेजी आ गई है. एक बार फिर से डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम चर्चा के केंद्र में आ गए हैं. बता दें कि बीते मंगलवार को ही पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने गुरमीत राम रहीम को रंजीत सिंह की हत्या के जुर्म से बरी कर दिया है. सीबीआई कोर्ट ने इसी मामले में राम रहीम को उम्रकैद की सजा सुनाई थी. हाईकोर्ट का यह फैसला पंजाब में होने वाले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आया है. राजनीतिक विश्लेषक इस फैसले के असर को लेकर अब तरह-तरह की बातें करना शुरू कर दिए हैं. ऐसे में जानते हैं कि क्या वाकई में पंजाब की सियासत में गुरमीत राम रहीम और अन्य डेरों के वजूद को दरकिनार नहीं किया जा सकता?

बता दें कि चुनाव बेशक पंजाब में हो रहे हों, लेकिन इस फैसले की गूंज देश के दूसरे राज्यों में भी सुनाई दे रही है. मंगलवार को गुरमीत राम रहीम पर हाईकोर्ट के फैसले के बाद हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भी इसकी चर्चा शुरू हो गई है. हालांकि, राजस्थान, यूपी और हरियाणा में चुनाव हो चुके हैं. डेरा सच्चा सौदा के लाखों अनुयायी इन राज्यों में रहते हैं. ऐसे में क्या अब पंजाब और हिमाचल प्रदेश की लोकसभा सीटों पर इसका असर देखने को मिल सकता है?

पंजाब पॉलिटिक्स में डेरा का इंपेक्ट कितना असरदार?

अगर हां तो वे कौन सी सीटें हैं, जहां पर डेरा सच्चा सौदा समर्थक कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का खेल बिगाड़ सकते हैं. क्योंकि, डेरा सच्चा सौदा की तरफ से पूर्व में बीजेपी को वोट देने की अपील की जाती रही है. राजनीतिक विश्लेषक संजीव पांडये कहते हैं, 'पंजाब और हरियाणा में 300 से ज्यादा डेरे हैं. इन डेरों को राजनीतिक दलों के द्वारा आश्रय दिया जाता रहा है. यह आज की बात नहीं है, पिछले दो दशकों से भी ज्यादा समय से इन डेरों का प्रभाव पंजाब, हरियाणा के साथ-साथ राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और यूपी के कुछ इलाकों में रहता है. अगर डेरा सच्चा सौदा की प्रभाव वाले इलाके की बात करें तो यह मालवा क्षेत्र में ज्यादा है. संगरूर इलाके में भी डेरा सच्चा सौदा के समर्थक असरदार साबित होते आए हैं. हालांकि, अब इनका ज्यादा प्रभाव नहीं बचा है.'

इस बीच गुरमीत राम रहीम की रिहाई पर कांग्रेस ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है. पंजाब के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह 'चन्नी' ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मैं इस मुद्दे पर टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं, लेकिन बीजेपी से पूछना चाहता हूं कि जब चुनाव आते हैं उन्हें इसका लाभ क्यों मिलता है? राम रहीम को चुनाव के वक्त क्यों पैरोल दिया जाता है?'

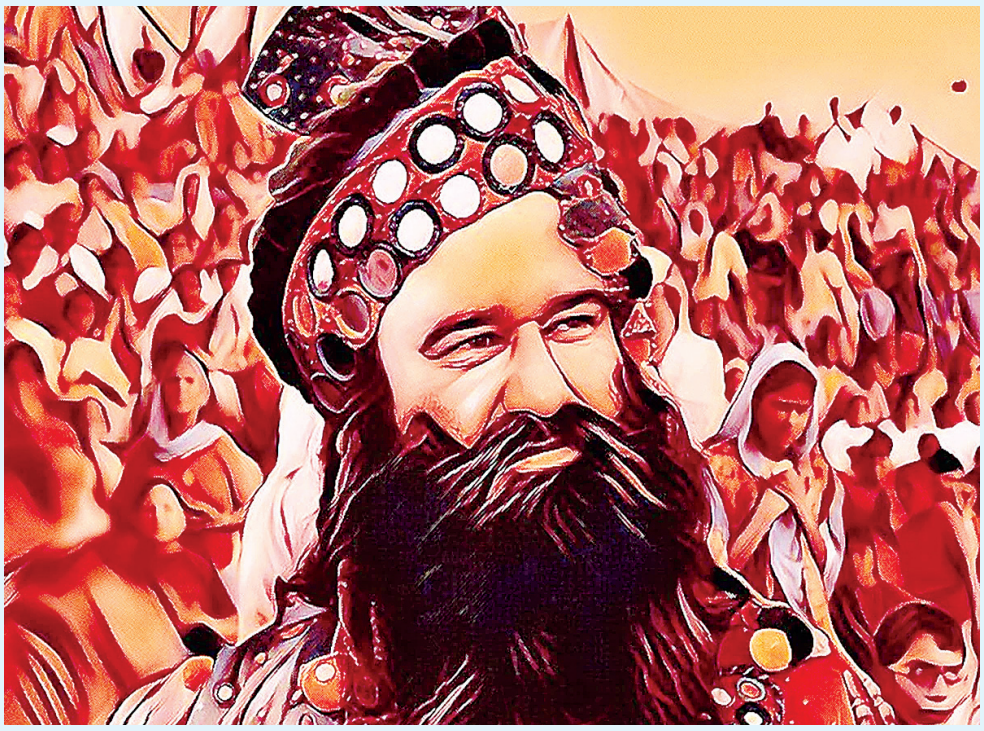

डेरा सच्चा सौदा का मुख्यालय हरियाणा के सिरसा में है. हालांकि, डेरा सच्चा सौदा के सबसे ज्यादा अनुयायी पंजाब में रहते हैं. बठिंडा जिले का सलाबतपुरा डेरा पंजाब का सबसे बड़ा सच्चा सौदा डेरा है. गुरमीत राम रहीम इस डेरा का भी प्रमुख है. माना जाता है कि डेरा सच्चा सौदा का पंजाब के 25-30 विधानसभा क्षेत्रों में प्रभाव है. माना जा रहा है कि 30 मई को डेरा सच्चा सौदा प्रमुख का संदेश अनुयायियों को सुनाया जाएगा कि किस पार्टी को वोट दें.

कौन खेल बिगाड़ेगा और किसका खेल बिगड़ेगा?

पिछले साल भी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को पैरोल देने पर हरियाणा की खट्टर सरकार चर्चा में आई थी. इसको लेकर काफी विवाद हुआ था और अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा था. ऐसे में अब देखना होगा कि लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण 1 मई को वोटिंग के दिन डेरा सच्चा सौदा समर्थकों का रुख किस तरह रहेगा?

केजरीवाल ने पंजाब के शराब कारोबारियों से ली रिश्वत, ईडी का कोर्ट में दावा; दाखिल की वाट्सऐप चैट

जालंधर (संदीप मान) : राउज एवेन्यू कोर्ट ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ ईडी द्वारा दायर पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने की बाबत अपना फैसला चार जून तक सुरक्षित कर लिया है।

ईडी ने दावा किया है कि पंजाब के शराब कारोबारियों से भी रिश्वत ली गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का दावा है कि आम आदमी पार्टी (आप) शासित पंजाब के उन कारोबारियों को दिल्ली में उनके उद्यमों से बाहर कर दिया गया था, जिन्होंने रिश्वत नहीं दी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने ईडी की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया।

ईडी ने आरोपपत्र पर दावा किया है कि उसके पास मामले में केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के पर्याप्त सबूत हैं। ईडी ने आरोपपत्र में आम आदमी पार्टी (आप) को भी आरोपी के रूप में नामित किया है, जो धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज करने वाला पहला राजनीतिक दल है। जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल और पार्टी कथित घोटाले से जुड़े हुए थे।

अदालत ने पूछा- आप को आरोपी कैसे बनाएंगे

अदालत के सवाल पर ईडी ने बताया कि जांच एजेंसी को व्यक्तियों के समूह के रूप में आरोपी के तौर पर नामित किया गया है। अदालत ने कहा कि पीएमएलए एक्ट के तहत अगर आप एक कंपनी है तो हम आरपी एक्ट को क्यों देखें? इस पर ईडी ने जवाब दिया कि आरपी एक्ट के तहत राजनीतिक दल व्यक्तियों का संघ होता है। अनुच्छेद 19(1)सी के तहत मिले अधिकार से जुड़ा है।

20 पेज में वाट्सऐप चैट दाखिल की

ईडी ने आरोपपत्र में 20 पेज में वाट्सऐप चैट के स्क्रीनशॉट अदालत में दाखिल किए हैं। जिसमें विनोद चौहान और अन्य के मोबाइल फोन के स्क्रीनशॉट हैं, जिससे हवाला कारोबारियों से धन को इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। ईडी ने कहा कि इन लोगों के द्वारा अनैतिक ट्रांजेक्शन किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने का अनुरोध करने वाली याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने के संबंध में कोई भी फैसला प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) लेंगे क्योंकि मुख्य मामले पर फैसला पहले से सुरक्षित है। केजरीवाल ने उनका वजन अचानक छह से सात किलोग्राम कम हो जाने के कारण कई चिकित्सकीय जांच कराने के लिए कोर्ट से अंतरिम जमानत की अवधि सात दिन बढ़ाने का अनुरोध किया है। केजरीवाल ने 26 मई को दायर अपनी याचिका में कहा है कि वह जेल लौटने के लिए कोर्ट द्वारा निर्धारित की गई तारीख 2 जून के बजाय नौ जून को आत्मसमर्पण करना चाहते हैं।

उच्चतम न्यायालय ने 'आप' विधायक को अंतरिम जमानत देने से इनकार किया

जालंधर (जसवीर) : उच्चतम न्यायालय ने पंजाब से आम आदमी पार्टी (आप) विधायक जसवंत सिंह गज्जन माजरा को अंतरिम जमानत देने से बुधवार को इनकार कर दिया। माजरा को बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की अवकाशकालीन पीठ ने ईडी को नोटिस जारी किया और माजरा द्वारा मौजूदा लोकसभा चुनाव के वास्ते प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत के अनुरोध संबंधी याचिका पर जवाब मांगा। विधायक की ओर से पेश वकील ने चुनाव प्रचार के लिए चार जून तक अंतरिम जमानत दिये जाने का अनुरोध किया है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह सभी पक्षों की बात सुने बिना अमरगढ़ से 'आप' विधायक को राहत देने के लिए इच्छुक नहीं है। पंजाब में एक जून को अंतिम चरण में मतदान होगा। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने इससे पहले उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने संबंधी उनकी याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि इसमें कुछ भी अवैध नहीं है।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पिछले साल मई में 40 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में गज्जन माजरा से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की थी।

ईडी ने सितंबर, 2022 में कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत उनसे जुड़े कई परिसरों पर छापेमारी की थी। ईडी की टीम ने छापेमारी के दौरान 32 लाख रुपये की नकदी, कुछ मोबाइल फोन और हार्ड ड्राइव जब्त किये थे।

सिद्धू मूसेवाला की दूसरी पुण्यतिथि पर धार्मिक आयोजन, पिता ने समर्थकों से की ये अपील

जालंधर(जसवीर) : पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की आज (29 मई) को दूसरी पुण्यतिथि है. उनके घर पर धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया है. यह जानकारी उनके पिता बलकौर सिंह ने दी है. बलकौर सिंह ने बताया कि चुनाव का समय होने और बहुत ज्यादा गर्मी होने के कारण केवल गांव वालों और परिवार को ही बुलाया गया. वहीं, पंजाब में कई जगह उनके चाहने वालों ने धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया है.

मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने कहा, कार्यक्रम छोटा और सिंपल रखा गया है. चुनाव है और तापमान बहुत ज्यादा होने के कारण बाहर के लोगों को आने से मना किया है. परिवार और गांव के लोग आ रहे हैं. आम जनता से कहा गया है कि वे न आएं क्योंकि बहुत गर्मी है और चुनाव का समय है. केवल धार्मिक रस्में ही मर्यादा के अनुसार होंगी. बलकौर सिंह ने बताया कि ऐसी जानकारी मिली है कि सिद्धू के चाहने वालों ने पंजाब में कई जगह अरदास करवा रहे हैं. सब अपने तरीके से अपने भाई को श्रद्धांजलि दे रहे हैं.

गांव में बिक रहे मूसावाला की फोटो वाले कॉफी-मग, टी-शर्ट

उधर, सिद्धू मूसेवाला के गांव मूसा में इस वक्त दुकानें उनकी फोटो वाले कॉपी मग और टी-शर्ट से पट गई है. इसके अलावा गांव में उनका स्टैचू लगाया गया है और हर तरफ उनका पोस्टर और फोटो नजर आ रहा है. पंजाब के प्रसिद्ध गायक सिद्धू मूसेवाला की 29 मई 2022 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. उन्हें बेहद कम उम्र में प्रसिद्धि मिल गई थी और जिस वक्त उनकी हत्या की गई उनकी उम्र केवल 28 वर्ष ही थी.

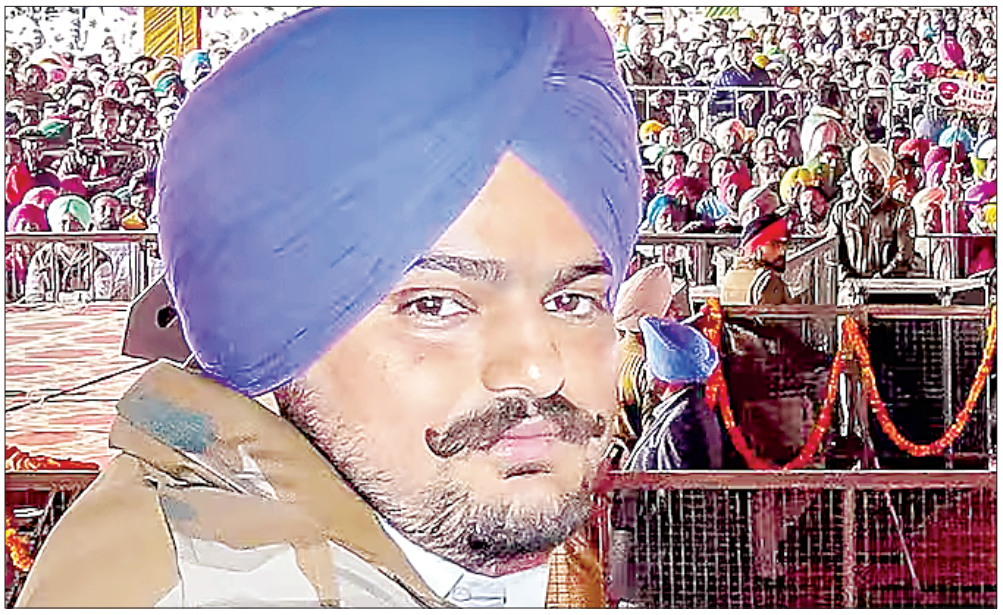

BJP या कांग्रेस, सिटी ब्यूटीफुल किसकी झोली करेगी वोटों से 'फुल'?

जालंधर (हिमांशु) : शिवालिक की पहाड़ियों में बसी और मन मोह लेने वाली वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध सिटी चंडीगढ़ अपनी खूबसूरती के लिए जानी जाती है. इसका प्राकृतिक सौंदर्य जहां हर किसी को अपनी तरफ खींचता है तो वहीं पंजाब और हरियाणा की राजधानी होने के चलते यहां की सियासी हवा भी कुछ कम खुशनुमा नहीं है. दोनों राज्यों के बीच अक्सर जुबानी जंग का मैदान बनने वाली इस स्मार्ट सिटी में एक मात्र लोकसभा सीट (सामान्य) है. इस पर 6,46,729 मतदाता हैं. यहां की सारक्षता दर 86.43त्न के करीब है. अब सवाल ये उठता है कि इस एक सीट पर जीत हासिल करने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियां हर बार एड़ी-चोटी का जोर क्यों लगा देती हैं. आइए जानते हैं आखिर ऐसा क्या है इस सीट में जो सियासदानों के लिए नाक का सवाल बन जाती है.

चंडीगढ़ लोकसभा सीट का इतिहास

साल 1967 में अस्तित्व में आई यह सीट दिलचस्प इतिहास समेटे हुए है. सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़ का इतिहास लगभग 8000 साल पुराना है. कहा जाता है कि यहां पर दुनिया की सबसे पहली संस्कृति हड़प्पा के लोग रहा करते थे. मध्ययुगीन काल में ये शहर बहुत ही समृद्ध हुआ करता था. उस वक्त यह पंजाब प्रांत का हिस्सा हुआ करता था. साल 1947 में जब देश आज़ाद हुआ तो भारत-पाकिस्तान के साथ-साथ चंडीगढ़ के भी दो टुकड़े कर दिए गए, जिनमें से एक पश्चिम प्रांत तो दूसरा पूर्वी पंजाब बन गया.

चंडीगढ़ में कौन-कौन आजमा रहा किस्मत

इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने संजय टंडन, कांग्रेस (इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार) ने मनीष तिवारी, शिरोमणि अकाली दल ने हरदीप सिंह बुटरेला और बहुजन समाज पार्टी ने रितु सिंह को चुनाव मैदान में उतारा. हरदीप सिंह बुटरेला भेदभाव का आरोप लगाते हुए आखिरी समय में आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए. अब सीधा मुकाबला भाजपा और इंडिया गठबंधन के बीच है. बात करें भाजपा की तो मौजूदा सांसद और बॉलीवुड शख्सियत किरण खेर का टिकट काटते हुए संजय टंडन को मैदान में उतारा है. कांग्रेस ने पिछली बार के उम्मीदवार पवन बंसल को दरकिनार करते हुए मनीष तिवारी पर दांव लगाया है.

जन्मभूमि को कर्मभूमि में बदल सकेंगे मनीष?

मनीष तिवारी श्री आनंदपुर साहिब सांसद हैं. इससे पहले लुधियाना सीट भी जीतकर वो कांग्रेस की झोली में डाल चुके हैं. पिछले दो बार की तरह इस बार भी उनकी सीट बदली गई है. इससे मनीष खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं. उनकी इस उत्सुकता के पीछे वजह भी काफी ठोस है. चंडीगढ़ मनीष तिवारी की जन्मभूमि है. वो यहीं पर जन्मे, पले-बढ़े और कॉलेज के दिनों में सियासत की एबीसीडी भी यहीं से सीखी.

हाल ही में टीवी9 भारतवर्ष के कार्यक्रम सत्ता सम्मेलन में तिवारी इस सीट से टिकट मिलने के बाद काफी भावुक दिखाई दिए थे. उन्होंने बताया था कि चंडीगढ़ की मिट्टी में उनके परिवार का लहू मिला है. चंडीगढ़ से टिकट मिलना उनकी खुशकिस्मती है. वो हर बार की तरह इस बार भी इस सीट को जीतकर पार्टी की झोली में डालेंगे.

अपनों की नाराजगी ना बिगाड़ दे खेल!

मनीष तिवारी को टिकट मिलने से सीनियर कांग्रेस नेता पवन बंसल की नाराजगी को लेकर भी कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं. सियासी हवा का रुख भांपने वालों का कहना है कि तिवारी बेशक अपनी जीत को लेकर कितने ही आश्वस्त हों लेकिन बंसल उनका खेल खराब कर सकते हैं. चंडीगढ़ में बंसल का वोट बैंक काफी मजबूत है.

अगर वो तिवारी को समर्थन देने से इनकार कर देते हैं तो उनकी चुनौतियां बढ़ सकती हैं. हालांकि मनीष तिवारी ने सत्ता सम्मेलन में उनके नाराज ना होने का दावा किया था. बावजूद इसके पूरे चुनाव प्रचार के दौरान बंसल का गायब रहना मनीष के दावों पर सवाल खड़ा कर रहा है. बहरहाल, चुनाव के दौरान हर पार्टी दावे और वादे करती ही है. इनके दावों में कितना दम है, इसका पता भी जल्द ही लगने वाला है.

इस बार बदला चंडीगढ़ का सियासी मौसम

पिछले दो चुनावों की बात करें तो साल 2014 और 2019 में यहां पर बीजेपी ने बाजी मारी थी. हालांकि, साल 2014 से पहले इस लोकसभा सीट पर कांग्रेस पार्टी का ही राज रहा है. 2019 के चुनाव में, किरण खेर ने 46,850 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी. उन्हें 2,31,188 वोट मिले थे. कांग्रेस के पवन बंसल को 1,84,218 वोट मिले थे. हालांकि, इस बार इन दोनों को टिकट नहीं मिला है. अब मनीष तिवारी की उम्मीदवारी से सियासी मौसम पूरी तरह से बदल गया है. वहीं संजय को टिकट मिलना भी अपने-आप में काफी हैरान करने वाला है.

अशोक गहलोत की तबीयत बिगड़ी, बिना प्रचार किए पंजाब से लौटे; सारे कार्यक्रम रद्द

जालंधर(नितिका) : राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत अस्वस्थ हो गए है। गहलोत ने सोशल मीडिया पर इसकी जानाकारी दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा- आज मेरी चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता एवं गढ़शंकर में कांग्रेस प्रत्याशी विजय सिंगला के समर्थन में पब्लिक रैली प्रस्तावित थीं।

इसके लिए शाम को चंडीगढ़ पहुंच गया था परन्तु कल रात से स्लिप डिस्क संबंधी परेशानी होने के कारण डॉक्टरों की सलाह पर सारे कार्यक्रम रद्द करते हुए वापस जयपुर आना पड़ा है। मेरी पंजाब के सभी मतदाताओं से अपील है कि किसानों एवं सैनिकों के सम्मान, लोकतंत्र की रक्षा एवं देश में सौहार्द बनाए रखने के लिए कांग्रेस को वोट दें एवं अपने क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाएं।

किसानों और सैनिकों के सम्मान पर मांगे वोट

अशोक गहलोत ने तबीयत बिगड़ने के बाद सोशल मीडिया पर की गई अपील में पंजाब के मतदाताओं से किसानों और सैनिकों के सम्मान के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताने की अपील की है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा कि मेरी पंजाब के सभी मतदाताओं से अपील है कि किसानों एवं सैनिकों के सम्मान, लोकतंत्र की रक्षा एवं देश में सौहार्द बनाए रखने के लिए कांग्रेस को वोट दें।

अपने क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाएं।

4 जून 2024 को नरेंद्र मोदी फिर से पीएम बने तो ज्योतिष की नजर में घटेगी ये 3 महत्वपूर्ण घटनाएं

जालंधर (काजल विज) : 4 जून 2024 मंगलवार के दिन आकाश में मेष राशि का उदय होगा। जिसके स्वामी मंगल है। बुध गुरु, शुक्र और सूर्य वृषभ राशि में रहेंगे।

मेष में मंगल और चंद्र की युति रहेगी और कुंभ में शनि, मीन में राहु एवं कन्या में केतु विराजमान रहेंगे।इस दिन मंगल का जोर रहेगा क्योंकि वर्ष का राजा भी मंगल है। सभी तरह के आकलन से यह तय हो चुका है कि पीएम मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं लेकिन उनके पीएम बनने के बाद ज्योतिषियों के अनुसार 3 घटनाएं महत्वपूर्ण घटने वाली है।

हिंदू नववर्ष का राजा मंगल, मंत्री शनि और कृषि मंत्री बृहस्पति है। यानी मंगल इस वर्ष बलवान है। इसके साथ ही वर्ष 2024 का जोड़ 8 है इसका अर्थ है कि इस वर्ष का स्वामी शनि है। नरेंद्र मोदी का जन्मांक 8 है और उनकी कुंडली में मंगल की महादशा चल रही है। इस वर्ष ग्रहों की जो दशा है वह बहुत दुलर्भ

मानी जा रही है, जिसके चलते देश और दुनिया में बड़ी घटनाओं का संकेत दे रही है।

वर्तमान में रशिया एवं यूक्रेन युद्ध में है और इजरायल एवं हमास का युद्ध भी चल रहा है। इस बीच ईरान ने भी तनाव बढ़ा रखा है। दूसरी ओर चीन और ताइवान एवं उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच भी तनातनी जारी है। यानी दुनियाभर के हॉटस्पॉट्स में युद्ध की स्थिति चिंताजनक है।

1. **क्या Pok पर होगी बड़ी कार्रवाई :** ऐसे माहौल के बीच पाकिस्तान लगातार कश्मीर में भारत को चुनौती दे रहा है। यह मंगल और शनि का वर्ष है और ऐसे में पाकिस्तान के उकसावे की कार्रवाई के चलते भारत कोई बड़ा निर्णय ले सकता है।
2. **आंतरिक उत्पाद :** समान नागरिक संहिता और जनसंख्या नियंत्रण कानून के कारण देश के कुछ हिस्सों में बड़े प्रदर्शन होने की संभावना है। मंगल और शनि के साथ कालयुक्त संवत्सर के कारण आंतरिक उत्पाद बड़ जाएंगे। खासकर पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में यह देखने को मिलेगा। मंगल और शनि का अशुभ षडाष्टक और राहु का ग्रहण योग पूरे वर्ष उथल पुथल मचाएगा। इससे शासन प्रशासन में कड़ा अनुशासन देखने को मिलेगा।
3. **प्राकृतिक आपदा :** देश या दुनिया में किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के संकेत हैं जिसके जीवन अस्त व्यस्त हो जाएगा। जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट संकेत देखने को मिलेंगे। हालांकि वर्षा पर्याप्त मात्रा में होगी। भारत की अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी होगी, परंतु कई दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल होगी। महंगाई काबू में रहेगी।

(Disclaimer) चिकित्सा, स्वास्थ्य संबंधी नुस्खे, योग, धर्म, ज्योतिष, इतिहास, पुराण आदि विषयों पर वेबदुनिया में प्रकाशित/प्रसारित वीडियो, आलेख एवं समाचार सिर्फ आपकी जानकारी के लिए हैं, जो विभिन्न सोर्स से लिए जाते हैं। इनसे संबंधित सत्यता की पुष्टि वेबदुनिया नहीं करता है। सेहत या ज्योतिष संबंधी किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। इस कंटेंट को जनरुचि को ध्यान में रखकर यहां प्रस्तुत किया गया है जिसका कोई भी वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

हो गई भविष्यवाणी

फिर बीजेपी सरकार या कांग्रेस की बहार, फलोदी सट्टा बाजार ने सब बता दिया

जालंधर (हिमांशु) : लोकसभा चुनाव के नतीजों की तारीख जैसे-जैसे करीब आ रही है, वैसे ही राजस्थान के प्रसिद्ध फलोदी सट्टा बाजार के पूर्वानुमानित आकलन ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है।

लोकसभा चुनाव मतदान के 6 चरण पूरे हो चुके हैं। बाकि के 1 चरण का मतदान 1 जून को होगा। अब इस बात को लेकर अटकलें तेज हैं कि कौन सी पार्टी बहुमत हासिल करेगी और केंद्र में अगली सरकार बनाएगी।

फलोदी सट्टा बाजार का सटीक भविष्यवाणियों का इतिहास रहा है। फिर चाहे वह चुनाव हो, क्रिकेट मैच हो या मौसम की भविष्यवाणी हो।

बीजेपी को कितनी सीट

फलोदी सट्टा बाजार भाजपा के दमदार प्रदर्शन की बात कर रहा है। सट्टा बाजार की भविष्यवाणी है कि बीजेपी 13 मई, 2024 तक लगभग 300 सीट जीतेगी। इसके विपरीत, कांग्रेस को केवल 40-42 सीटें हासिल करने का अनुमान है। यह उनके 2019 के लोकसभा चुनाव में हासिल 52 सीटों से भी कम है। बाकी सीटों का बंटवारा अन्य पार्टियों में होने की उम्मीद है। यदि ये भविष्यवाणियां सच होती हैं, तो यह फलोदी सट्टा बाजार के आकलन की सटीकता को मजबूत करेगी।

यूपी में कैसा रहेगा हाल

उत्तर प्रदेश में कम मतदान प्रतिशत के बावजूद, बीजेपी को अभी भी 80 में से 62 से 65 सीटें जीतने का अनुमान है। राष्ट्रीय स्तर पर सट्टा बाजार का अनुमान है कि भाजपा को 280 से 290 सीटें मिलेंगी। जबकि कांग्रेस 70 से 85 सीटें जीत सकती है। मीडिया रिपोर्टों और फलोदी सट्टा बाजार से संकेत मिलता है कि भाजपा का लक्ष्य यूपी की सभी 80 लोकसभा सीटों पर कब्जा करना है।

कुल मिलाकर 335 से 340 सीटें जीतने का विश्वास है। अंतिम चरण में मतदान प्रतिशत में वृद्धि से भाजपा की सीटों की संख्या 30-35 सीटों तक बढ़ सकती है।

कैसी रही पिछली भविष्यवाणियां

लोकसभा चुनाव से पहले, भाजपा ने दावा किया था कि वे 400 से अधिक सीटें जीतेंगे। इस अबकी बार 400 पार के दावे की एक वजह राम मंदिर का निर्माण भी बताया जा रहा था। हालांकि, फलोदी सट्टा बाजार ने उस वक्त भी बीजेपी को करीब 320 सीटें मिलने का अनुमान लगाया था।

फलोदी सट्टा बाजार की सटीकता

फलोदी सट्टा बाजार अपनी सटीक भविष्यवाणियों के लिए प्रसिद्ध है। जैसे-जैसे चुनाव परिणाम का दिन करीब आता है, सट्टा बाजार में गतिविधि तेज हो जाती है। इससे संभावित सरकार गठन के बारे में शुरुआती संकेत मिलते हैं। फलोदी सट्टा बाजार एक लंबे समय से स्थापित सट्टेबाजी बाजार है। यहां जहां चुनावों के दौरान सभी लोकसभा सीटों सहित विभिन्न आयोजनों पर दांव लगाए जाते हैं।

पंजाब के रूपनगर में 13 जगहों पर ED का छापा, 13 करोड़ रुपए बरामद

जालंधर (काजल विज) : प्रवर्तन निदेशालय की जालंधर स्थित टीम ने अवैध खनन मामले में पंजाब के रूपनगर (रोपड़) जिले में 13 स्थानों पर छापेमारी कर रही हैं. ईडी के एक अधिकारी ने जानकारी दी की ईडी की कुर्क की गई जमीन और रूपनगर (रोपड़) जिले के नजदीकी इलाके पर अवैध खनन किया जा रहा था. इस जमीन को ईडी ने कुख्यात भोला ड्रग मामले में अटैच किया था. आपको बता दें,कथित भोला ड्रग मामला मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की विशेष रोकथाम अधिनियम अदालत के समक्ष सुनवाई के अहम चरण में है। इस मामले में खनन माफिया, राम स्टोन क्रशर और नसीबचंद आरोपी हैं।ईडी की दी जानकारी के मुताबिक तलाशी के दौरान अब तक अधिकारीयों ने तीन करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

सच से घबराए केजरीवाल, पंजाब में ZEE NEWS पर रोक लगाकर साबित की अपनी कमजोरी

जालंधर (काजल विज) : पंजाब लोकसभा चुनाव में जब ZEE NEWS ने जनता के मुद्दे उठाए और सरकार की कमियों को बेबाकी से प्रकाशित किया तो मान सरकार की नींव हिल गई। अरविंद केजरीवाल और पंजाब में उनके मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान घबरा गए। घबराहट इतनी कि पंजाब सरकार ने राज्य में ZEE NEWS को दिखाने से रोक लगा दी।

पंजाब में ZEE NEWS को दिखाने से रोक लगाकर अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी अब खुद कठघरे में है। ZEE NEWS के दर्शक और तमाम सियासी दलों ने पंजाब सरकार के इस घटिया कदम की आलोचना की है। पंजाब सरकार के इस कदम से उनके इरादे सामने आ चुके हैं.. कि उन्हें तानाशाही करनी है। इमरजेंसी के वक्त भी कुछ ऐसा ही किया गया था। तब सरकार हिल गई थी। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को जब-जब दबाने की कोशिश की गई है.. इसका परिणाम अच्छा नहीं रहा है।

50 डिग्री के पास पहुंचा तापमान, गर्मी से लोगों के हाल-बेहाल

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पंजाब में पिछले 15 दिनों से भीषण गर्मी पड़ने के साथ लू चल रही है। मंगलवार को बठिंडा में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया। बठिंडा एयरपोर्ट पर तापमान 49.3 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जोकि सामान्य से आठ डिग्री अधिक था। यह सीजन व वर्ष का सबसे गर्म दिन रहा। हरियाणा के सिरसा में अधिकतम तापमान 50.3 दर्ज किया गया। मौसम केंद्र चंडीगढ़ के रिकार्ड के मुताबिक वर्ष 1944 से अब तक मई में कभी प्रदेश के किसी जिले में अधिकतम तापमान 49 डिग्री के पार नहीं गया था। लुधियाना में 29 मई, 1944 को अधिकतम तापमान 48.3 डिग्री पहुंचा था। बठिंडा में मंगलवार को तापमान 49.3 डिग्री तक पहुंच गया। यह मई का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। पटियाला में 27 मई, 1998 को अधिकतम तापमान 47.0 डिग्री रहा था।

गर्मी के कारण स्कूलों में छुट्टी

अमृतसर में 24 मई, 2013 को अधिकतम तापमान 48.0 पहुंचा था। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार एयरपोर्ट पर कंस्ट्रक्शन, रनवे के चलते तापमान अन्य जगह से एक से डेढ़ डिग्री सेल्सियस अधिक रहता है। वहीं हरियाणा में गर्मी का रिकार्ड टूट गया। पहली बार सिरसा का तापमान 50.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। उधर हिमाचल के ऊना व सुंदरनगर में मंगलवार 11 वर्ष बाद सबसे गर्म दिन रहा। गर्मी के कारण स्कूलों में छुट्टी कर दी है।बुधवार को भी पंजाब में भीषण लू चलने का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

30 जून से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इसका असर प्रदेश के दो-तीन जिलों में ही रहेगा। बादल छाने व हल्की वर्षा की संभावना है। जून में कुछ राहत मिल सकती है।

दिल्ली में 49.9 राजस्थान में 50.5 डिग्री तापमान, अगले दो दिन रहम नहीं करेंगे सूर्यदेव

जालंधर (हर्ष शर्मा) : दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में भीषण गर्मी से हाल बेहाल है। आसमान से आग के गोले बरस रहे हैं, जिससे दिन के समय लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। तापमान भी अपने सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है।हर दिन पारा का नया-नया आंकड़ा चौंका रहा है। राजस्थान और हरियाणा में अधिकतम पारा 51 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दिल्ली में पारा 50 डिग्री के करीब पहुंच गया।

आइए जानते हैं कि देश में गर्मी का क्या हाल है?

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी किया है। 29 मई से लेकर 31 मई तक गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। एक जून तक केरल में मानसून दस्तक देगा, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। एक दिन पहले 28 मई को तापमान ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, राजस्थान में तापमान 50 से 51 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया।

दिल्ली का मौसम

बीता दिन दिल्ली का नजफगढ़, मुंगेशपुर और नरेला सबसे गर्म रहा। मुंगेशपुर और नरेला में अधिकतम तापमान 49.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जोकि सामान्य से 9 डिग्री ज्यादा है। वहीं, नजफगढ़ में 49.8 डिग्री पारा रहा। पूसा में पारा 48.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जोकि सामान्य से 8 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

राजस्थान का मौसम

देश का सबसे गर्म शहर राजस्थान का चूरू रहा, जहां अधिकतम पारा 50.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 7.5 डिग्री ज्यादा है। गंगानगर में मंगलवार को 49.4 डिग्री, फलौदी और पिलानी में 49.0 डिग्री सेल्सियस रहा। आईएमडी के अनुसार, तापमान और बढ़ने की संभावना है।

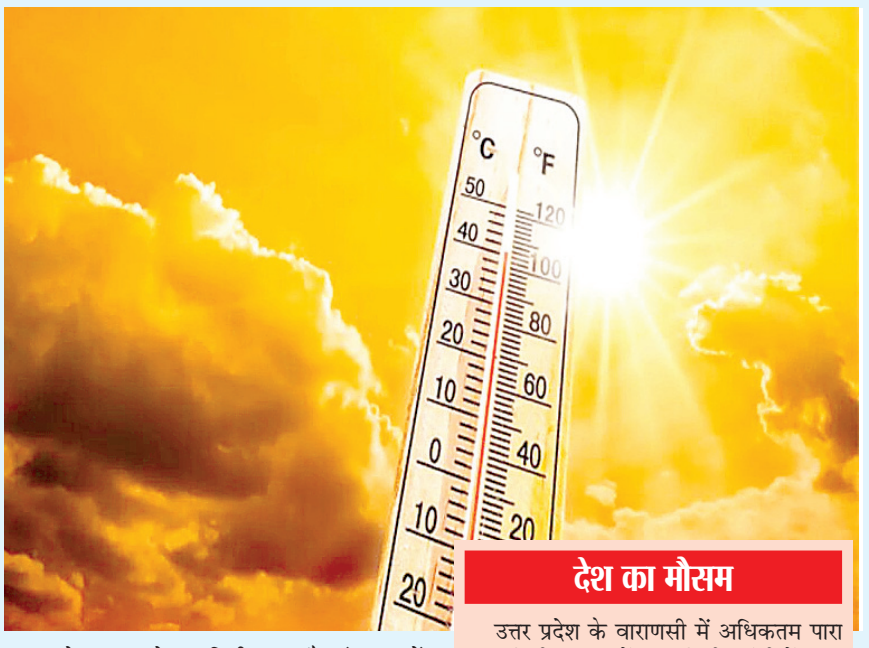

हरियाणा का मौसम

देश का दूसरा गर्म शहर हरियाणा का सिरसा रहा, जहां 28 मई को तापमान 50.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हिसार में 48.4 डिग्री, नारनौल में 48.5, हिसार में 48.4 डिग्री, चंडीगढ़ में 45.0 डिग्री सेल्सियस पारा रहा।

देश का मौसम

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अधिकतम पारा 47.6 डिग्री, आगरा में 48.6 डिग्री, झांसी में 49.0 डिग्री दर्ज किया, जबकि बिहार के गया में 46.8 डिग्री, डेहरी में 47.0 डिग्री सेल्सियस पारा रहा। झारखंड के डाल्टनगंज में उच्चतम तापमान 47.5 डिग्री, ओडिशा के सोनपुर में 45.3 डिग्री, पंजाब के लुधियाना में 46.2 डिग्री, अमृतसर में 46.3 डिग्री, बठिंडा में 47.2 डिग्री, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 46.4 डिग्री, महासमुंद में 46.7 डिग्री, मुंगेली में 47.0 डिग्री, मध्य प्रदेश के निवाड़ी में 48.5 डिग्री, दतिया में 48.4 डिग्री, रीवा में 48.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

जालंधर जिले में 30 मई से 1 जून तक ड्राई डे घोषित

डिप्टी कमिश्नर ने दिए आदेश, होटल और रेस्टोरेंट में भी नहीं परोसी जाएगी शराब, बाहरी लोगों को भी छोड़ना होगा जालंधर

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : 1 जून को होने वाले लोकसभा चुनाव और 4 जून को होने वाली मतगणना के मद्देनजर, जिला मैजिस्ट्रेट जालंधर डा. हिमांशु अग्रवाल ने आज जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अधीन अधिकारों का प्रयोग करते हुए विशेष रूप से धारा 135 (सी) के तहत और भारत के चुनाव आयोग के निर्देशानुसार उनके पत्र संख्या इलेक्ट-2024/आर-2464 दिनांक 22.03. 2024 के अनुपालन में, पंजाब आबकारी अधिनियम, 1914 की धारा 54 द्वारा प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, 30.05.2024 को शाम 06:00 बजे से 1.6.2024 को मतदान समाप्ति तक 48 घंटे की अवधि के लिए ड्राई डे घोषित किया गया है। डिप्टी कमिश्नर ने आगे बताया कि ड्राई डेज के दौरान 01-06-2024 को और उसके बाद मतगणना के दिन 04-06-2024 को जिला जालंधर मतदान क्षेत्र में किसी होटल, खाने के घर, शराबखाने, दुकान या किसी अन्य सार्वजनिक या निजी स्थान पर कोई भी शराब या इसी प्रकार का कोई अन्य मादक पदार्थ नहीं बेचा, परोसा या वितरित नहीं किया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि शराब बेचने/परोसने वाली किसी भी शराब की दुकान, होटल, रेस्तरां, क्लब और अन्य प्रतिष्ठानों को उपरोक्त दिनों में किसी को भी शराब बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इसी प्रकार क्लब, स्टार होटल, रेस्तरां आदि और किसी के द्वारा चलाए जा रहे होटल, भले ही उन्हें शराब रखने और आपूर्ति करने के लिए विभिन्न श्रेणियों के लाइसेंस जारी किए गए हों, उन्हें भी इन दिनों शराब परोसने की अनुमति नहीं होगी। इसी तरह, बिना लाइसेंस वाले परिसर में शराब के भंडारण पर प्रतिबंध को आबकारी कानून के तहत सख्ती से लागू किया जाएगा।

चुनाव मैदान में उतरे चन्नी कर रहे दिल खोलकर खर्चा, जानिए बाकी प्रत्याशियों की खर्च राशि?

जालंधर(काजल विज) : लोकसभा चुनाव में वोट बैंक को मजबूत करने तथा लोगों तक पहुंच बनाने और चुनाव प्रचार के लिए अब उम्मीदवार सिर धड़ की बाजी लगाने के साथ-साथ जेब से पैसा भी दिल खोलकर खर्च रहे हैं। 24 मई तक चुनावों पर खर्च करने में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार ने सबसे ज्यादा खर्च 32,17,093 रुपये कर चुके हैं।

इसके साथ ही अन्य राजनीतिक पार्टियों के अलावा आजाद उम्मीदवार चुनावी जंग में पैसा पानी की तरह बहा रहे हैं। हालांकि चुनाव आयोग की ओर से प्रत्येक उम्मीदवार की चुनाव पर खर्चे के लिए 95 लाख रुपये की लिमिट रखी है। चुनाव आयोग की ओर से उम्मीदवारों के खर्चे पर निगरानी रखने के लिए खर्चा ऑब्जर्वर माधव देशमुख की ओर से प्रत्येक उम्मीदवार के रजिस्टर लगाए गए हैं और इनकी क्रॉस चेकिंग की जा रही है।

चरनजीत सिंह चन्नी कर रहे दिल खोलकर खर्चा

चुनाव ऑब्जर्वर की ओर से चुनाव के दौरान तीन बार चेकिंग की जानी है। इनमें से दो बार की जा चुकी है और तीसरी चेकिंग 28 मई को होनी थी जिसे फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, उम्मीदवारों की ओर से 24 तारीख तक किए गए खर्चों में सबसे ज्यादा कांग्रेस उम्मीदवार चरनजीत सिंह चन्नी दिल खोलकर खर्चा कर रहे हैं और उसके बाद दूसरे नंबर पर भाजपा के उम्मीदवार सुशील रिंकू भी 23,13,608 और इसके बाद आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार पवन टीनू 16,44,353 रुपये खर्च कर तीसरे नंबर पर रहे हैं।

सबसे कम सीपीआईएम के उम्मीदवार का खर्च

बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार बलविंदर कुमार ने 9,51,334.5 रुपये, शिरोमणी अकाली दल के उम्मीदवार मोहिंदर सिंह केपी 8,98,751 रुपये, शिरोमणी अकाली दल अमृतसर के उम्मीदवार सरबजीत सिंह ने 2,42,446 रुपये तथा सीपीआइएम के उम्मीदवार पुरुषोतम लाल ने 1,02,200 रुपये खर्च चुके हैं। अभी उम्मीदवारों की ओर से चुनाव प्रचार पर खर्च करने का सिलसिला जारी है और अंत तक इन उम्मीदवारों की ओर से खर्चा करने वालों की दौड़ में कोई भी उम्मीदवार आगे निकल सकता है।

चुनाव विवरण न देने पर आयोग ले सकता एक्शन

चुनाव आयोग के अनुसार, अगर कोई उम्मीदवार अपने चुनाव का विवरण नहीं देता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का प्रावधान है। चुनाव आयोग उस उम्मीदवार पर तीन साल तक चुनाव लड़ने पर पाबंदी लगा सकता है।

अगर कोई उम्मीदवार चुनाव खर्च ज्यादा करता है लेकिन खाते में दिखाता है तो उसके खिलाफ चुनाव याचिका दायर हो सकती है। अधिकतम सीमा से अधिक खर्च करने वाले को भी चुनाव आयोग नीतियों की अवहेलना करने की श्रेणी में मानता है। उस पर भी तीन साल तक चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया जा सकता है।

S.T HOSPITAL
& Test Tube Baby Centre
Near Football Chowk, Jalandhar.
Mob.: 99154-02525, 0181-5042525
www.sthospital.in

अब हर घर गूँजेंगी खुशियों की किलकारियाँ
IUI | IVF | ICSI
विधियों द्वारा पुरुषों तथा महिलाओं के बाँझपन का उपचार किया जाता है
Dr. Asheesh Kapoor
M.B.B.S., P.G.D.S. (USA)
Fertility & Sex Specialist
Dr. Rimmi Mahajan
M.B.B.S, M.D. (Obs & Gynae)
Fellowship in Rep. Med. (Spain)

पर्यावरण पर संकट सबसे बड़ा मुद्दा, पर प्रत्याशियों के एजेंडे में दिखा गायब

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पराली व नाड़ की आग से एक तरफ जहां पंजाब की धरती की उर्वरा शक्ति कम होती जा रही है, वहीं वर्ष दर वर्ष भूजल स्तर गिर रहा है। राज्य का 78 प्रतिशत क्षेत्र डार्क जोन बन चुका है। केवल 11.3 प्रतिशत क्षेत्र ही सुरक्षित रह गया है। राज्य के कुल 12,423 गांवों में से 11,849 गांवों का भूजल पीने योग्य नहीं रहा है। इसके बावजूद पर्यावरण से जुड़ी ये गंभीर समस्याएं लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों के एजेंडे में नहीं हैं।

सिर्फ तीन प्रत्याशियों ने पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर दिया है ध्यान

राज्यसभा सदस्य पद्मश्री संत बलबीर सिंह सीचेवाल हर दल एवं उनके लोकसभा प्रत्याशियों को पर्यावरण को मुद्दा बनाने का एजेंडा सौंप चुके हैं, लेकिन अधिकांश प्रत्याशी इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

सिर्फ तीन प्रत्याशियों ने पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर ध्यान दिया है। जालंधर से कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा है कि वह बेईं को साफ करवाएंगे। नए पार्क और खुले जिम बनवाएंगे। पुराने पार्कों का नवीनीकरण होगा और पेड़ लगाकर हरित क्षेत्र बढाया जाएगा।

फरीदकोट संसदीय क्षेत्र में आप प्रत्याशी करमजीत अनमोल पर्यावरण संरक्षण को मुद्दा बना रहे हैं। वह अपने

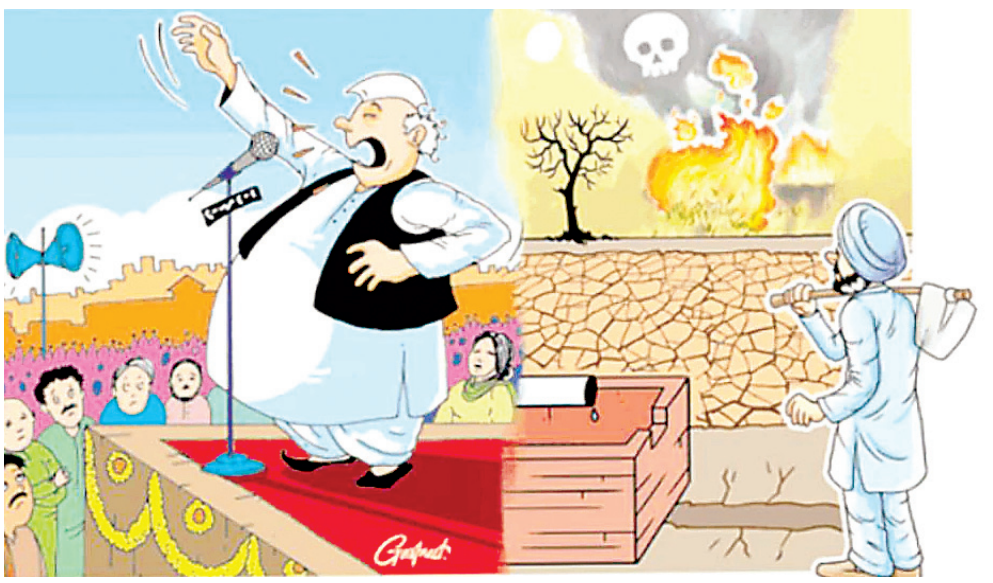

भाषणों में फरीदकोट लोकसभा क्षेत्र को हरा-भरा बनाने की बात कर रहे हैं। लुधियाना से कांग्रेस प्रत्याशी अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भी कहा है कि जीत के बाद लुधियाना का पर्यावरण सुधारने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगवाएंगे।

पर्यावरण पर प्रत्याशियों के गंभीर न होने से पर्यावरणविद चिंतित

पर्यावरण के प्रति प्रत्याशियों के गंभीर न होने से पर्यावरणविद संत सीचेवाल ही नहीं, बल्कि पब्लिक एक्शन कमेटी सतलुज एवं बुड्ढा दरिया के सदस्य तथा मत्तेवाल जंगल से जुड़े लोग भी बहुत निराश और चिंतित हैं। कमेटी के सदस्यों जसकीरत सिंह और बृज भूषण गोयल का कहना है कि बहुत दुखद है कि राज्य में लोकसभा का चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के मुंह से पंजाब के पर्यावरण को लेकर एक भी शब्द सुनने को नहीं मिला है।

राज्य के तीनों क्षेत्र माझा, मालवा व दोआबा बुरी तरह दूषित पर्यावरण की भेंट चढ़ चुके हैं, लेकिन लोगों के भविष्य से जुड़ी इस गंभीर समस्या के प्रति राजनीतिक दलों की उदासीनता पंजाबियों को खाए जा रही है। ना तो सॉलिड वेस्ट के प्रति कोई दल संजीदा दिख रहा है और ना ही वन क्षेत्र बढ़ाने की किसी की कोई योजना दिख रही है। राज्य को बचाने के लिए अलग पर्यावरण मंत्रालय और पर्यावरण आयोग का गठन करने की जरूरत है।

पर्यावरण का मुद्दा एजेंडे में न होना गंभीर बात : चीमा

वित्त मंत्री हरपाल चीमा कहते हैं कि पर्यावरण का मुद्दा हर पार्टी के एजेंडे में होना चाहिए। ऐसा न होना गंभीर बात है। पर्यावरण को लेकर आम आदमी पार्टी गंभीर है। पानी बचाने की दिशा में जो काम हो रहा है। इस पर और मजबूती से काम करेंगे।

78 फीसदी क्षेत्र डार्क जोन बन चुका है राज्य का

- 450 फुट है राज्य में भूजल स्तर
- 1000 फुट पर पहुंच जाएगा 2039 में भूजल स्तर
- 110 फुट पर उपलब्ध था 2000 में भूजल

भूजल के अधिक दोहन को रोकना होगा : सीचेवाल

संत सीचेवाल का कहना है कि पंजाब में भूजल के दोहन में कमी नहीं है। दोहन को रोकना होगा, वरना पंजाब को खत्म होने से कोई नहीं रोक सकता। सरकार ने नहरी पानी का उपयोग करके सिंचित क्षेत्र को 30 से बढ़ाकर 70 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है, जिससे सिंचाई के लिए भूजल निकासी में कमी आएगी। हम सभी दलों के अधिकांश लोकसभा प्रत्याशियों को हरित पर्यावरण का एजेंडा सौंप चुके हैं, लेकिन बहुत दुख की बात है कि लगभग 90 प्रतिशत ने पर्यावरण के प्रति उदासीनता ही दिखाई है।

Punjab में फिर उभरा ऑपरेशन ब्लू स्टार का भूत

अकाली दल ने वोटर्स को स्वर्ण मंदिर की तस्वीर दिखाकर याद दिलाया 'कांग्रेस का हाथ'

इस चुनाव में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल द्वारा आयोजित रैलियों में एक प्रमुख पोस्टर सर्वव्यापी है। इसमें ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद स्वर्ण मंदिर में क्षतिग्रस्त अकाल तख्त की तस्वीर

दिखाई गई है, जिसमें बादल ने मतदाताओं से अपील की है कि वे 1 जून को मतदान करते समय यह याद रखें कि कांग्रेस ने 1984 में क्या किया था। राज्य भर में इसी तरह के बड़े आकार के पोस्टर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) द्वारा लगाए गए हैं, जो सिखों की सर्वोच्च निर्वाचित संस्था है, जो एसएडी द्वारा नियंत्रित है, क्योंकि पार्टी इसका फायदा उठाकर अपनी पंथिक राजनीति को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। तथ्य यह है कि 1 जून ऑपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं वर्षगांठ के साथ मेल खाता है - आतंकवादियों से सिखों के पवित्र मंदिर को खाली कराने के लिए सेना की विवादास्पद कार्रवाई।

जबकि कांग्रेस पोस्टरों का मुख्य लक्ष्य है क्योंकि ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान इंदिरा गांधी ने केंद्र में सरकार का नेतृत्व किया था - जो 1 जून से 6 जून 1984 तक चला - आम आदमी पार्टी (आप) और शिअद को भी कुछ वोटों का नुकसान हो सकता है। निर्वाचन क्षेत्रों में नतीजे प्रभावित हो सकते हैं वे हैं फरीदकोट, संगरूर और खडूर साहिब और कुछ हद तक बठिंडा। जबकि स्वर्ण मंदिर अभियान को लेकर इंदिरा गांधी के हत्यारों में से एक बेअंत सिंह का बेटा फरीदकोट में उम्मीदवार है। संगरूर में, कट्टरपंथी शिअद (ए) नेता सिमरनजीत सिंह मान मौजूदा सांसद हैं और फिर से चुनावी मैदान में हैं। विवादास्पद उपदेशक और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह खडूर साहिब से उम्मीदवारों में से एक हैं। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने कहा कि एक जून को होने वाले लोकसभा चुनाव के दिन राज्य के सभी मतदान केंद्र तंबाकू मुक्त होंगे।

पंजाब में बागियों ने बढ़ाई कांग्रेस की 'टेंशन', मुक्तसर के पार्षद ने थामा भाजपा का दामन

जालंधर(हिमांशु) : लोकसभा चुनाव के दौरान नेताओं के दल बदलने का सिलसिला जारी है। मुक्तसर से एक कांग्रेस पार्षद ने भाजपा का दामन थाम लिया। जानकारी के मुताबिक बागी चल रहे 10 पार्षदों को कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेताओं की ओर से मनाया नहीं गया।

जिस कारण वे फिरोजपुर से प्रत्याशी शेर सिंह घुबाया के चुनाव प्रचार से लगातार दूरी बनाए हुए हैं। दो दिन पहले मुक्तसर में पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के पक्ष में निकाले गए रोड शो में भी यह पार्षद शामिल नहीं हुए थे।

कांग्रेस पार्षद जगमीत सिंह गोरा ने थामा भाजपा का दामन

मुक्तसर से बागी चल रहे 10 पार्षदों में से एक और पार्षद जगमीत सिंह गोरा कांग्रेस को छोड़ कर भाजपा में शामिल हो गए। उन्हें भाजपा प्रत्याशी राणा गुरमीत सिंह सोढी ने पार्टी की सदस्यता दिलाई।

जगमीत सिंह गोरा वार्ड नंबर एक से पार्षद हैं। उधर, कांग्रेस के नेता जैसे बागियों को दरकिनार किए हुए हैं इससे लोकसभा चुनाव में पार्टी को नुकसान पहुंच सकता है।

बता दें कि कांग्रेस के अब तक दो पार्षद पार्टी छोड़ चुके हैं। जबकि आठ अभी भी बागी हैं। वहीं कांग्रेस का और नेता सुधीर शर्मा भी भाजपा में शामिल हो गए हैं।

पार्टी अध्यक्ष से शिकायत के बाद भी नहीं हो रही सुनवाई

पूर्व पार्षद गुरमीत सिंह जीता ने कहा कि उनका नगर कौंसिल के प्रधान कृष्ण कुमार शम्मी तेरिया के साथ मतभेद हैं। प्रधान जो भी काम करना हो अपने स्तर पर करते हैं।

उनकी कोई राय नहीं ली जा रही और न ही उनकी वार्डों में कोई काम हो रहा है। इसकी उन्होंने शिकायत पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग से की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

अंतत: उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया जिसे अभी तक मंजूर नहीं किया गया है। नगर कौंसिल के प्रधान के लिए उनकी परवाह नहीं की जा रही जिस कारण 10 पार्षद नाराज होकर घर बैठ गए हैं।

दो तो पार्टी छोड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार का हिस्सा नहीं बन रहे हैं।